Total No. of Questions : 06] [SET-A] [Total No. of Printed Page : 1

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

3MAHIN41

प्रश्न पत्र–चतुर्थ

वैकल्पिक–तुलसीदास

Time : 03 Hrs. **MM : 70**

MM : 25

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. निम्न लिखित पद्यांशो की व्याख्या कीजिए (कोई 2)

(अ) प्रसन्नतां या न गताभिषेकतस्तथा न मम्ले वनवासदःखतः।
मुखाम्बुजश्री रधनंदनस्य मे सदास्तु सा मज्जुल मंगलप्रदा।।
नीलाम्बुजश्यामलकोमलागं सीतासमारोपितवाम भागम्।
पाणौ महासायक चारूचापं नमामि रामं रधुवंशनाथम्।।

(ब) बाल सखा सुनि हिये हरषानि। मिलि दस पांच राम पहिंजाहिं।
प्रभु आदरहिं प्रेम पहिचानी। पूंछाहिरूसल खेम मृदु बानी।।
फिरहिं भवन प्रिय आयसु पाई। करत परस्पर राम बड़ाई।
को रघुबीर सरिस ससारा। सीलु सनेहु निबाह सिहारा।।

(स) कोटिहूं बदन नहिं बरनत जग जननी सोभा महा।
सकुचहिं कहत श्रुति सेष सारद मंदमति तुलसी कहा।
छबि खानी मातु भवानी गवनी मध्य मंडप झिव जहां।
टवलोकि सकहिं न सकुच पति पद कमल मधुकरू कहां।

प्र. 2. भक्तिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों का विश्लेषण कीजिए?

प्र. 3. "तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है"। इस उक्ति की विवेचना कीजिए?

प्र. 4. "तुलसीदास जी राम के अनन्य भक्त थे।" इस मत को प्रतिपादित कीजिए?

प्र. 5. गोस्वामी तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

प्र. 6. टिप्पणी लिखिएः–

(अ) विनय पत्रिका का उद्देश्य
(ब) तुलसीदास जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
(स) तुलसीदास जी की भक्ति पद्धति

Total No. of Questions : 06] [SET-A] [Total No. of Printed Page : 1

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

3MAHIN41

प्रश्न पत्र–चतुर्थ

वैकल्पिक–तुलसीदास

Time : 03 Hrs. MM : 70

MM : 25

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. निम्न लिखित पद्यांशो की व्याख्या कीजिए (कोई 2)

(अ) प्रसन्नतां या न गताभिषेकतस्तथा न मम्ले वनवासदःखतः।
मुखाम्बुजश्री रधनंदनस्य मे सदास्तु सा मज्जुल मंगलप्रदा।।
नीलाम्बुजश्यामलकोमलागं सीतासमारोपितवाम भागम्।
पाणौ महासायक चारूचापं नमामि रामं रधुवंशनाथम्।।

(ब) बाल सखा सुनि हिये हरषानि। मिलि दस पांच राम पहिंजाहिं।
प्रभु आदरहिं प्रेम पहिचानी। पूंछाहिरूसल खेम मृदु बानी।।
फिरहिं भवन प्रिय आयसु पाई। करत परस्पर राम बड़ाई।
को रघुबीर सरिस ससारा। सीलु सनेहु निबाह सिहारा।।

(स) कोटिहूं बदन नहिं बरनत जग जननी सोभा महा।
सकुचहिं कहत श्रुति सेष सारद मंदमति तुलसी कहा।
छबि खानी मातु भवानी गवनी मध्य मंडप झिव जहां।
टवलोकि सकहिं न सकुच पति पद कमल मधुकरू कहां।

प्र. 2. भक्तिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों का विश्लेषण कीजिए?

प्र. 3. "तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है"। इस उक्ति की विवेचना कीजिए?

प्र. 4. "तुलसीदास जी राम के अनन्य भक्त थे।" इस मत को प्रतिपादित कीजिए?

प्र. 5. गोस्वामी तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

प्र. 6. टिप्पणी लिखिएः–

(अ) विनय पत्रिका का उद्देश्य
(ब) तुलसीदास जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
(स) तुलसीदास जी की भक्ति पद्धति